राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

Course report of course on "Change Management"

दिनांक 22-24 नवम्बर, 2017

राजस्थान पुलिस अकादमी में दिनांक 22-11-2017 से 24-11-2017 तक "Change Management" विषय पर तीन दिवसीय विशिष्ट कोर्स का आयोजन किया गया। इस कोर्स में राजस्थान पुलिस के 02 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, 01 उप पुलिस अधीक्षक, 06 पुलिस निरीक्षक एवम् 20 उप निरीक्षक पुलिस स्तर के कुल 29 अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में डॉ. मानवेन्द्र सिंह पाहवा, मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर ने परिवर्तन के उद्देश्यों पर चर्चा करते हुए कहा कि जिन उद्देश्यों के लिए बदलाव ला रहे हैं उनका प्रबन्धन इस प्रकार किया जाना चाहिए जिससे संस्था तथा व्यक्तिगत उद्देश्यों की शीघ्रातिशीघ्र प्राप्ति हो। बदलाव अवश्यम्भावी है उसके बिना विकास संभव नही है।

प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र में डॉ नवीन माथुर, प्रोफेसर, व्यावसायिक प्रशासन, विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने नेतृत्व को परिवर्तन के लिए अतिआवश्यक बताते हुए संगठन में परिवर्तन हेतु शीर्ष नेतृत्व के सशक्तिकरण पर बल देते हुए कहा कि किसी भी संगठन के लिए अपने आप को बदलती परिस्थितियों के अनुकूल बनाने में नेतृत्व महत्वपूर्ण है। नेतत्व ही वह शक्ति है जो संगठन के व्यक्तियों को एकजुट कर उद्धेश्यों की प्राप्ति में सहायक है।

प्रथम दिवस के तृतीय सत्र में डॉ अनिल मेहता, प्रोफेसर, मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर ने Change Management के विभिन्न स्वरूप तथा इसकी आवश्यकता बताते हुए बदलाव में आने वाली बाधाओं तथा बाधाओं को दूर करने के संभावित उपाय सुझाये। उन्होंने कहा बदलाव समय सापेक्ष है। प्रथम दिन के चतुर्थ सत्र में प्रोफेसर अनिता हाड़ा, आई0 आई0 एस0, विश्वविद्यालय, जयपुर ने परिवर्तन के प्रकार तथा परिवर्तन में आने वाले प्रतिरोध के बारे में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कर्मचारी परिवर्तन का प्रतिरोध करते हैं जबकि प्ररिवर्तन का स्वागत किया जाना चाहिए।

द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में प्रिन्सी थॉमस, असिस्टेंट प्रोफेसर आई0 आई0 एस0 विश्वविद्यालय, जयपुर ने अपने व्याख्यान में पारिवारिक एवम् व्यवसायिक जीवन में आने वाले बदलावों के मध्य सन्तुलन को विभिन्न मॉडल द्वारा समझाया। उन्होंने कहा इस सन्तुलन से ही व्यक्ति बदलाव में विकास कर सकता है।

द्वितीय दिवस के द्वितीय सत्र में प्रोफेशनल ट्रेनिग एकेडमी ऑफ इण्डिया, दिल्ली की चीफ लर्निग ऑफिसर पीहू इच ने बताया कि बदलाव के लिए प्रेरणा का होना आवश्यक है। और प्रेरणा के लिए दबाव का होना जरूरी है। बिना दबाव हम आसानी से बदलाव को स्वीकार नही करते। द्वितीय दिवस के तृतीय सत्र में उन्होंने कुछ, वीडियो के माध्यम से व्यक्ति में बदलाव के लिए उपस्थित सकारात्मक एवम् नकारात्मक गुणों विश्लेषण किया और कहा कि बदलाव हेतु सकारात्मक गुण को बढ़ाना चाहिए। द्वितीय दिवस के चतुर्थ सत्र में उन्होंने अरोमा थेरेपी के माध्यम से बताया कि अपने मस्तिष्क को शांत कर मनुष्य स्वंय का विश्लेषण कर अपनी कमजोरियों को पहचान कर अपना दृष्टिकोण बदल सकता है और स्वयं को बदलाव के लिए तैयार कर सकता है।

तृतीय दिवस के प्रथम सत्र में डॉ0 एन0डी0 माथुर, सेवानिवृत प्रोफेसर, आर्थिक प्रशासन एवम् वित्तीय प्रबन्धन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने अपने व्याख्यान में सकारात्मक परिवर्तन हेतु रचनात्मक तथा सृजनात्मक परिवर्तन पर जोर देते हुए कहा कि परिवर्तन अपरिहार्य है इसे रोका नहीं जा सकता। समय के साथ अपनी रचनात्मक तथा सृजनात्मक क्षमता को विकसित कर नये विचार के साथ ही व्यक्ति बदलाव की बयार में स्वंय को बचा सकता है। तृतीय दिवस के द्वितीय सत्र में श्री रमेश अरोड़ा ने अपने व्याख्यान में तनाव को समय के साथ जोडते हुए बताया कि व्यक्ति काम की अधिकता से नही अपितु समय पर काम नही होने से तनाव में आता है। तृतीय दिवस के अन्तिम सत्र में डॉ. एन.एम. शर्मा, व्यावसायिक प्रशासन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने आर्थिक एवम् भौतिक संसाधन की तुलना में सतत् परिवर्तन हेतु मानव संसाधन के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब भी परिवर्तन आते है तो अभिवृति तथा संवेदना पर इसका प्रभाव पड़ता है।

समापन सत्र में श्रीमान् ओमेन्द्र भारद्वाज, सेवानिवृत पुलिस महानिदेशक, राजस्थान ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न वक्ताओं द्वारा दिए गए व्याख्यानों पर चर्चा की तथा इस संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि परिवर्तन कैसे लाना है ये आसान है किन्तु क्या परिवर्तन लाना है ये विचारणीय है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों के लिए भी समय के अनुरूप बदलाव को आवश्यक बताया। पुलिस अधिकारियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र अतिथि महोदय द्वारा वितिरित किये गये। कार्यक्रम के अन्त में प्रशिक्षण कार्यक्रम के सहायक निदेशक धीरज वर्मा ने मुख्य अतिथि महोदय एवं सहभागी पुलिस अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।